Established in 2008
"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ"

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर, भारत
NAAC Accredited | UGC Approved | Recognized by Statutory Councils

मन्नू भण्डारी के कथा साहित्य में मध्यवर्गीय महिला का सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष : एक अध्ययन

शोधार्थी
कैलाश चन्द्र खटीक

एनरोलमेन्ट नं.
JVR/II/22/11031

शोध निर्देशक
डॉ. आनन्द राय
मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

शिक्षा एवं कार्यप्रणाली संकाय

पीएच.डी.

(हिन्दी)

शोध उपाधि पंजीयन के लिए प्रस्तुत

सार-संक्षेप (SYNOPSIS)

Estd. in 2008

''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ''

ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर, भारत

NAAC Accredited | UGC Approved | Recognized by Statutory Councils

मन्नू भण्डारी के कथा साहित्य में मध्यवर्गीय महिला का सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष : एक अध्ययन

शोधार्थी

कैलाश चन्द्र खटीक

एनरोलमेन्ट नं.

JVR/II/22/11031

शोध निर्देशक

डॉ. आनन्द राय

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

शिक्षा एवं कार्यप्रणाली संकाय

पीएच.डी.

(हिन्दी)

शोध उपाधि पंजीयन के लिए प्रस्तुत

सार-संक्षेप (SYNOPSIS)

Synopsis
शोध रूपरेखा

सत्र– दिसम्बर 2022
FORMAT FOR OUTLINE OF PROPOSED RESEARCH WORK
विद्यावाचस्पति उपाधि हेतु प्रस्तावित शोध प्रबंध की रूपरेखा

1. शोधार्थी का नाम : कैलाश चन्द्र खटीक
   Name of Scholar : KAILASH CHANDRA KHATIK

2. शोध का शीर्षक : मनु भंडारी के कथा साहित्य में मध्य वर्गीय महिला का सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष : एक अध्ययन
   Title of Research : Mannu Bhandari ke Katha Sahitya me Madhyavargiya Mahila ka Samajik evam Parivarik Sangharsh : Ek Adhyan

3. स्थान : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, ज्योतिविद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर
   Location : Jayoti Vidyapeeth Women's University, Jaipur

4. शोध निर्देशक : डॉ. आनन्द राय, आचार्य, ज्योतिविद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर
   Supervisor : Dr. Anand Rai, Professor, Jayoti Vidyapeeth Women's University, Jaipur

5. **प्रस्तावित शोध का महत्व**
   (Introduction and importance of Research)

हिंदी साहित्य में प्रारंभ से कथा साहित्य में महिला पात्रों को प्रमुख स्थान मिलता आया है एवं उनकी वास्तविक स्थिति से भी पाठक वर्ग रुबरु होता आया है। महिलाओं को अपने अस्तित्व को लेकर तथा अपनी सामाजिक एवं पारिवारिक स्थिति को बनाए रखने के लिए किस प्रकार संघर्ष करना पड़ता है उसे हिंदी के कथाकारों ने अपने साहित्य में सचित्र वर्णन करने का प्रयास किया है। पूर्व प्रेमचंद युग से लेकर समकालीन कहानियों एवं उपन्यासों तक में महिलाओं को लेकर काफी संख्या में साहित्य सृजन किया गया। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श का दौर प्रारंभ हुआ। स्वतंत्रता के बाद से ही स्त्री विमर्श पर कई लेखकों द्वारा इस विषय पर अपने अपने विचार प्रकट किए गए। कई महिला लेखिकाओं के साथ साथ पुरुष लेखकों ने भी स्त्री विमर्श एवं स्त्री संघर्षों को लेकर लिखना प्रारम्भ किया। कहीं शोधार्थियों ने भी स्त्री विमर्श पर कार्य किया। इससे महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं पारिवारिक स्थिति में अपेक्षित सुधार हुए है।

मन्नू भंडारी के कथा साहित्य को लेकर भी अब तक कई शोध कार्य हुए हैं। लेकिन "मन्नू भंडारी

के कथा साहित्य में मध्यवर्गीय महिला का सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष" उक्त विषय को आधार बना कर अभी तक कोई शोध कार्य नहीं हुआ है। इसलिए मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में वर्णित मध्यवर्गीय महिला पात्रों के संघर्षों एवं उनकी समस्याओं पर नवीन दृष्टिकोण और पूर्ण गहनता के साथ शोध कार्य किए जाने की आवश्यकता है। अभी तक इस विषय पर जो विभिन्न पहलु अछूते रहे हैं उनको प्रकाश में लाने के साथ ही महिलाओं की वर्तमान स्थिति से तारतम्यता स्थापित करना एक महत्वपूर्ण कार्य होगा। प्रारंभ से लेकर वर्तमान समय तक महिलाओं को अपने अस्तित्व एवं अनेक विषयों को लेकर अपने समाज से संघर्ष करना पड़ा है जो अब तक की सबसे बड़ी ज्वलंत समस्या बनी हुई है। इस विषय पर शोध कार्य होने से हिंदी साहित्य के लाखों पाठकों एवं विद्यार्थियों को इस विषय पर एक नए दृष्टिकोण से सोचने एवं समस्या समाधान पर विचार करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। साथ ही मानव मस्तिष्क को झकझोर कर नए सिरे से इस समस्या पर विचार विमर्श करने के लिए पाठक वर्ग में एक नवीन ऊर्जा का संचार होगा। जो निश्चित रूप से हमारे समाज के लिए एक वरदान साबित होगा।

6. शोध विषय पर पूर्व में प्रस्तुत शोध कार्य का विवरण (Review of Work Already Done on the Subject)

हिंदी साहित्य में मन्नू भंडारी के कथा–साहित्य में मध्यवर्गीय महिला के सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष को आधार बनाकर अभी तक कोई शोध कार्य नहीं हुआ है। मेरी जानकारी के अनुसार मन्नू भंडारी के कथा साहित्य पर स्त्री जीवन को आधार बनाकर तो बहुत से शोध कार्य हुए लेकिन मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में मध्यवर्गीय महिला के संघर्षों को आधार बनाकर अभी तक कोई भी शोध कार्य नहीं हुआ है। कुछ शोध स्त्री विमर्श, नारी स्वरुप, पारिवारिक संबंध आदि विषयों पर हुए हैं जो इस प्रकार है–

सन् 1998 में "मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में मध्यवर्गीय नारी पात्रों का स्वरूप" शोधार्थी विनोद कुमार मेहता पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ के द्वारा शोध कार्य किया गया। इसमें इन्होंने संपूर्ण शोध कार्य को सात अध्यायों में विभाजित कर मन्नू भंडारी जी के कथा साहित्य के पात्रों को आधार बनाकर नारी स्वरुप को समझाने का प्रयास किया लेकिन इसमें विनोद जी का मध्यवर्गीय महिला के सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष पर बहुत ही कम ध्यान गया है।

सन् 2013 में "नारी विमर्श के संदर्भ में मन्नू भंडारी का लेखन" शीर्षक नाम से अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से शोधार्थी सचिन कुमार ने शोध कार्य किया। सचिन कुमार ने नारी विमर्श जैसे ज्वलंत मुद्दे पर जो कार्य किया वो प्रशंसनीय है। लेकिन इसमें भी मध्यवर्गीय महिला पर शोध कार्य का अभाव सा दिखाई देता है।

सन् 2020 में "मन्नू भंडारी के साहित्य में पारिवारिक संबंध" शीर्षक से विनोदा भावे विश्वविद्यालय,

हजारी बाग से शोधार्थी सुनिता कुमारी ने जो शोध कार्य किया है वह कहीं हद तक पारिवारिक संबंधों को बारीकी से समझने में मददगार है लेकिन इसमें भी पारिवारिक संबंध को ही आधार बनाकर विवेचन करने का प्रयास किया गया है जबकि मध्यवर्गीय महिला के सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्षों के संबंध में वर्तमान समय में मध्यवर्गीय महिलाओं की परिस्थितियों को देखते हुए अभी इस विषय पर निश्चित रूप से एक बड़े व्यापक शोध की आवश्यकता है।

अतः वर्तमान समय में मध्यवर्गीय महिला के सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष को देखते हुए मेरा यह विषय नवीन होने के साथ साथ प्रासंगिक भी रहेगा। साथ ही इस शोध विषय में वर्तमान समय तक प्रकाशित विभिन्न प्रकार की पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित मध्यवर्गीय महिला के संघर्ष से संबंधित कई समकालीन और वर्तमान में लेखन कार्य कर रहे विद्वानों के विचारों को भी शामिल करने का प्रयास रहेगा।

मध्यवर्गीय महिला की सामाजिक एवं पारिवारिक स्थिति को समझ कर एवं वास्तविकता को जान कर पूर्ण ईमानदारी के साथ इस शोध कार्य को पूर्ण किया जाएगा। जो कि इस शोध कार्य को नवीनता एवं मौलिकता प्रदान करेगा।

7. प्रस्तावित शोध कार्य में पूर्व में किए गए शोध कार्य के अंतराल का अंकन
(Research gaps identified proposed field in investigation)

अभी तक इस विषय पर कोई शोध कार्य नहीं हुआ है और यदि कोई शोध कार्य हुआ भी है, तो वह मेरी जानकारी के अनुसार मन्नू भंडारी के कथा साहित्य को आधार बनाकर स्त्री विमर्श, मध्यवर्गीय चेतना, सामाजिक एवं पारिवारिक संबंध, मानवीय समस्याओं का निरुपण, स्त्री चेतना, आंतरिक द्वंद्व, नारी पात्रों का स्वरूप, त्रिकोणीय प्रेम आदि विषयों पर आधारित शोध कार्य ही हुए है। इसलिए यह शोध कार्य मन्नू भंडारी के संपूर्ण कथा साहित्य को आधार बनाते हुए एवं वर्तमान मध्यवर्गीय महिला की स्थिति को ध्यान में रखते हुए उनकी समस्याओं और संघर्षों पर विस्तार से विचार विमर्श करते हुए एक समाधान प्रस्तुत करेगा। जिससे आने वाले समय में नवीन युवा पीढ़ी को मध्यवर्गीय समाज की सामाजिक एवं पारिवारिक स्थिति को समझने एवं उनके बारे में सोचने के लिए मजबूर करेगा। पूर्व शोध कार्य के छुटे हुए अंतराल को यह शोध कार्य भरने का पूर्ण प्रयास करेगा।

8. उद्देश्य
(Objectives)

मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में मध्य वर्गीय महिला के सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष से संबंधित हर एक पहलू पर विचार विमर्श करके उसे शोध का विषय बनाया गया है। जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के उद्देश्यों की प्राप्ति होगी, जो निम्नानुसार है।

- मध्यवर्गीय महिलाओं के सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्षों का यथार्थ चित्रण करना।
- मध्यवर्गीय महिलाओं के संघर्षों के कारणों की खोज बीन करना।
- मध्यवर्गीय महिलाओं कीसमस्याओं से परिचित होना।
- मध्यवर्गीय महिलाओं के संघर्षों एवं समस्याओं के निराकरण का समाधान ढूंढना।
- मध्यवर्गीय महिला को व्यापक रूप से साहित्य में स्थापित करना।
- मध्यवर्गीय महिला के घुटन एवं संघर्ष भरी जिंदगी से पाठक वर्ग को साक्षात्कार कराना।
- मध्यवर्गीय महिला की सामाजिक एवं पारिवारिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए समाज और सरकार को ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करना।

9. प्रधान परिकल्पना
(Major Hypotheses)

हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श पर बहुत अधिक मात्रा में साहित्य सृजन का कार्य हुआ है। हमारा समाज प्रारंभ से ही पुरुष प्रधान समाज रहा है। सदियों से पुरुषों द्वारा महिलाओं का शारीरिक एवं मानसिक शोषण किया जाता रहा है। जिस समाज में **'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः'** जैसे वेद वाक्य को अमल में लाया जाता था वहीं वर्तमान में नारी की दशा बड़ी दयनीय सी दिखाई देती है। जो नारी मनुष्य जाति के सृजन का आधार बन सकती है, तो वहीं नारी मनुष्य जाति के विनाश का कारण भी बन सकती है। इस कटू सत्य से परिचित होते हुए भी हमारा समाज इसे पूर्णतया नकार रहा है। आज भारतीय महिला को अपने जीवन यापन के लिए कितनी ही प्रकार की समस्याओं एवं कितने ही प्रकार के संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है जिसका चित्रण हिंदी साहित्य में अनेक साहित्यकारों ने किया है। स्त्री विमर्श, महिलाओं की समस्याओं तथा महिलाओं के सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष आदि के बारे में विभिन्न लेखकों ने कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध एवं अन्य विधाओं के माध्यम से समाज का यथार्थ दिखाने के लिए बहुत कुछ लिखा है। उनमें प्रमुख रूप से हम देखें तो मुंशी प्रेमचंद की बूढ़ी काकी, ईदगाह, बेटों वाली विधवा, रांगेय राघव की गदल, प्रसाद की आकाशदीप, आंधी, पुरस्कार, अज्ञेय की ग्रेंग्रीन, मन्नू भंडारी की मैं हार गई, मुक्ति, अकेली आदि कहानियों के माध्यम से तथा उपन्यासों में प्रेमचंद का गोदान, गबन, निर्मला, कर्मभूमि आदि जैनेन्द्र का सुनिता, त्यागपत्र, सियाराम शरण गुप्त का नारी, मन्नू भंडारी का आपका बंटी, एक इंच मुस्कान आदि में मध्यवर्गीय महिलाओं के दुख, समस्याओं, संघर्षों को उजागर करने का सफल प्रयास किया गया।

इसके पश्चात् तो मध्यवर्गीय महिला पर कहानियां एवं उपन्यास लिखने वालों में प्रेमचंद के अलावा भी कई साहित्यकारों के नाम सामने आते हैं जिनमें प्रमुख रूप से जयशंकर प्रसाद, यशपाल,

जैनेन्द्र, विष्णु प्रभाकर, फणीश्वर नाथ रेणु, ज्ञानरंजन, राजेन्द्र यादव, मोहन राकेश, कमलेश्वर एवं निर्मल वर्मा आदि प्रमुख हैं जिन्होंने इस विषय पर अपनी लेखनी चलाई है।

प्रमुख लेखकों के अलावा भी इस विषय पर लगभग सभी प्रमुख लेखिकाओं ने भी मध्यवर्गीय महिला के जीवन पर खूब कलम चलाई है। इसमें मन्नू भंडारी, ममता कालिया, उषा प्रियवंदा, मैत्रेई पुष्पा, कृष्णा अग्निहोत्री एवं मनीषा कुल श्रेष्ठ आदि प्रसिद्ध है।

साहित्य समाज का दर्पण होता है जो भी समाज में अनुचित हो रहा है उसका आईना समाज को दिखाना ही साहित्यकार का उद्देश्य होता है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी अपने निबंध 'साहित्य समाज का दर्पण है' में कहते हैं कि "जो साहित्य मनुष्य को उसकी समस्त आशा–आकांक्षाओं के साथ, उसकी सभी सफलताओं और दुर्बलताओं के साथ हमारे सामने प्रत्यक्ष ले आकर खड़ा कर देता है, वही महान् साहित्य है।" मन्नू भंडारी का साहित्य भी इसी कथन पर आधारित दिखाई देता है। वे अपने कथा साहित्य में महिला पात्रों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की समस्याओं को एवं उनके संघर्षों को चित्रित करती है, जो कि वर्तमान समय में महिलाओं के जीवनयापन में एक ज्वलंत समस्या बनी हुई है एवं हमारे समाज पर कई सवाल खड़े करती हैं, जो कि एक गंभीर शोध पूर्ण विचारणीय विषय है।

10. अनुसंधान की सामग्री और प्रविधि
(Research Material and Methods)

हम जानते हैं कि किसी भी विषय अथवा समस्या को पूर्ण रूप से जानने–समझने और उसका समाधान खोजने के लिए हमें किसी न किसी विधि की आवश्यकता होती है। अतः इस शोध कार्य में भी विषय के अनुसार अलग–अलग विधियों का उपयोग करना होगा। इसलिए मैं भी अपने शोध से संबंधित लेखकों के कहानी संग्रह, उपन्यास एवं आवश्यक सामग्री आदि को क्रय करुंगा। विभिन्न पुस्तकालयों से भी विषय सामग्री प्राप्त करने के लिए छानबीन करूंगा और इंटरनेट तथा विभिन्न ई–पत्रिकाओं में प्रकाशित विद्वान लेखकों के शोध आलेखों और इस विषय पर लिखी गई विभिन्न आलोचनात्मक पुस्तकों को भी अपने शोध कार्य में सम्मिलित करुंगा। इसके अलावा वर्तमान में प्रकाशित पत्र–पत्रिकाओं एवं आवश्यकता पड़ने पर उनके पूर्व प्रकाशित विशेषांक आदि का भी अपने शोध कार्य में उपयोग करूंगा।

11. प्रस्तावित शोध शीर्षक की अध्यायानुसार अस्थायी विस्तृत रूपरेखा
(Tentative Chapter wise details of propose research)

पहला अध्यायः विषय उपस्थापन– मध्यवर्गीय महिला के परिप्रेक्ष्य मे

1.1 विषय प्रस्थापन

1.2 सम्बद्ध साहित्य का संक्षिप्त परिचय

Jayoti Vidyapeeth Women's University
Estd. in 2008
''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ''

1.3 विषय परिसीमन

1.4 विषय का महत्व

1.5 विषय अनुक्रम

दूसरा अध्यायः सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य में मध्यवर्गीय महिला की स्थिति

2.1 वर्ग विभाजन

2.1.1 उच्च वर्ग

2.1.2 मध्यवर्ग

2.1.3 निम्न वर्ग

2.2 मध्यवर्ग : स्वरुप एवं परिभाषा

2.3 मध्य वर्ग : उद्भव एवं विकास

2.4 भारतीय समाज में महिला का स्वरूप एवं परिभाषा

2.5 मध्यवर्गीय महिला के संघर्ष एवं विभिन्न समस्याएं

2.5.1 सामाजिक संघर्ष

2.5.2 पारिवारिक संघर्ष

तीसरा अध्याय : मन्नू भंडारी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

3.1 जन्म

3.2 मृत्यु

3.3 पिता

3.4 माता

3.5 अध्ययन एवं अध्यापन कार्य

3.6 विवाह एवं पारिवारिक संघर्ष

3.7 रचना संसार

3.8 पुरस्कार एवं सम्मान

चौथा अध्याय : मन्नू भंडारी का मध्यवर्गीय महिला के रूप में संघर्ष

4.1 व्यक्ति रूप में संघर्ष

4.2 पत्नी रूप में संघर्ष

4.3 लेखिका रूप में संघर्ष

4.4 सामाजिक एवं पारिवारिक रूप में संघर्ष

पांचवां अध्याय : मन्नू भंडारी के उपन्यासों में मध्यवर्गीय महिला का सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष

5.1 आपका बंटी

5.1.1 शकून

5.1.2 मीरा

5.1.3 दीपा

5.1.4 टीटू की मां

5.1.5 फूफी

5.2 स्वामी

5.2.1 मिनी

5.2.2 गिरि (मिनी की मां)

5.2.3 मिनी की सास

5.2.4 शुभा

5.2.5 टुकी

5.3 एक इंच मुस्कान

5.3.1 रंजना

5.3.2 मंदाकिनी (मंदाभाभी)

5.3.3 शकुन

5.3.4 मीरा

5.4 महाभोज

छठवां अध्याय : मन्नू भंडारी की कहानियों में मध्यवर्गीय महिला का सामाजिक एवं पारिवारिक संघर्ष

6.1 अविवाहित महिला का संघर्ष

6.2 विवाहित महिला का संघर्ष

6.3 प्रेमिका का संघर्ष एवं द्वंद्व

6.4 मां के रूप में महिला का संघर्ष

6.5 परित्यक्त महिला का संघर्ष

6.6 विद्रोही व्यक्तित्व के रूप में महिला का संघर्ष

सातवां अध्याय : उपसंहार

12. संदर्भ ग्रंथ सूची
(References)

(अ) आधार ग्रंथ–

• उपन्यास

1. आपका बंटी–मन्नू भंडारी,
2. महाभोज–मन्नू भंडारी,
3. स्वामी–मन्नू भंडारी,
4. एक इंच मुस्कान–मन्नू भंडारी एवं राजेन्द्र यादव,

• कहानी संग्रह

1. मैं हार गई–मन्नू भंडारी,
2. यही सच हैं–मन्नू भंडारी,
3. तीन निगाहों की एक तस्वीर–मन्नू भंडारी
4. त्रिशंकु–मन्नू भंडारी,
5. एक प्लेट सैलाब–मन्नू भंडारी,
6. प्रतिनिधि कहानियां–मन्नू भंडारी,
7. बंदी–मन्नू भंडारी
8. मेरी प्रिय कहानियाँ–मन्नू भंडारी

• आत्मकथा तथा अन्य

1. एक कहानी यह भी–मन्नू भंडारी
2. मेरे साक्षात्कार–मन्नू भंडारी

• **पटकथा**

1. रजनी–मन्नू भंडारी
2. निर्मला–मन्नू भंडारी
3. स्वामी–मन्नू भंडारी
4. दर्पण–मन्नू भंडारी

(ब) समीक्षात्मक ग्रंथ

1. मन्नू भंडारी का रचनात्मक अवदान–सुधा अरोड़ा
2. प्रभा खेतान बनाम मन्नू भंडारी–डॉ. कविता वर्मा
3. मन्नू भंडारी सृजन के शिखर–सुधा अरोड़ा
4. मन्नू भंडारी की कहानियों में आधुनिकता बोध–डॉ. उमा केवलराम
5. मन्नू भंडारी की कहानियों के प्रमुख पात्र–डॉ. प्रदीप सी. लोड
6. राजेन्द्र यादव के उपन्यासों में व्यक्ति और समाज–डॉ. राधा गिरधारी
7. हिन्दी साहित्यः युग और प्रवृतियां–डॉ. शिवकुमार शर्मा
8. हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श–डॉ. गोरेलाल
9. दूसरी परम्परा की खोज–नामवर सिंह
10. हिन्दी लेखिकाओं की कहानियों में नारी–डॉ. रेणु गुप्ता
11. साये में धूप–दुष्यन्त कुमार
12. शहरयार–संपादक कमलेश्वर
13. मेरे साक्षात्कार मन्नू भंडारी–संपादक सुशील सिद्धार्थ
14. बाणभट्ट की आत्मकथा–हजारी प्रसाद द्विवेदी
15. मन्नू भंडारी के साहित्य में चित्रित समस्याएँ–डॉ० माधवी जाधव

(स) पत्र–पत्रिकाएं

1. हंस
2. पाखी
3. मधुमति

4. शोध ऋतु
5. शोध धारा
6. वागर्थ
7. युगान्तर
8. भाषा विमर्श
9. नव सृजन
10. हिन्दी चेतना

(द) समाचार–पत्र

1. अमर उजाला
2. दैनिक भास्कर
3. राजस्थान पत्रिका
4. प्रातः काल
5. दैनिक नवज्योति